बीएचईएल ने भारत का सबसे बड़ा फ्लोटिंग सोलर पीवी प्लांट चालू किया; फ्लोटिंग सोलर टेक्नोलॉजी में आत्मनिर्भरता की दिशा में प्रमुख कीर्तिमान

नई दिल्ली, 16 सितंबर: भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (बीएचईएल) ने भारत के सबसे बड़े फ्लोटिंग सोलर पीवी प्लांट को सफलतापूर्वक चालू किया है। आंध्र प्रदेश में एनटीपीसी सिंहाद्री में स्थित, 25 मेगावाट की फ्लोटिंग एसपीवी परियोजना 100 एकड़ क्षेत्र में फैली है। एक ओर इससे बहुमूल्य भू-संसाधन की बचत होगी, दूसरी ओर कम वाष्पीकरण होने से जल संरक्षण भी होगा।

उल्लेखनीय है कि बीएचईएल द्वारा क्रियान्वित यह परियोजना अपनी अद्वितीय अत्याधुनिक डिजाइन के कारण एक इंजीनियरिंग चमत्कार है। स्वच्छ विद्युत उत्पादन के अतिरिक्त, यह परियोजना अपने आवरण क्षेत्र को छाया प्रदान करके जल के वाष्पीकरण को भी कम करेगी। शीतलन प्रभाव के कारण पारंपरिक ग्राउंड-माउंटेड परियोजनाओं की तुलना में इसकी उत्पादन क्षमता भी अधिक होगी।

बीएचईएल ने जलाशय कि ऊपरी परत अथवा बांध संरचना को छुए या भारित किए बिना लंगर डालने की अनूठी आवश्यकता को पूरा करने के लिए एक अभिनव फ्लोटिंग व्यूह तैयार किया है। इस जटिल मॉड्यूल व्यूह का भारत में पहली बार डिज़ाइन किया गया है। यह 180 किमी / घंटा तक प्रचंड वायु वेग का सामना कर सकते हैं। परियोजना स्थल के गंभीर क्षरण वाले तटीय वातावरण को देखते हुए, सभी प्लेटफॉर्म संरचनाओं और अन्य उपकरणों को जंग प्रतिरोधी बनाया गया है।

इस परियोजना में बीएचईएल के कार्यक्षेत्र में सौर परियोजना का डिजाइन, इंजीनियरिंग, क्रय तथा निर्माण था। इसे हाल ही में गठित सोलर बिजनेस डिवीजन द्वारा निष्पादित किया गया है।

बीएचईएल की फ्लोटिंग एसपीवी परियोजनाओं का पोर्टफोलियो देश में सबसे बड़ा है, जिसमें 45 मेगावाट से अधिक परियोजनाएं चालू कर दी हैं और लगभग 107 मेगावाट निष्पादित की जा रही हैं।

बीएचईएल 1.2 गीगावॉट से अधिक के समग्र ईपीसी पोर्टफोलियो के साथ भारत में सौर उद्योग क्षेत्र में अग्रणी सेवा प्रदाता है। कंपनी ग्रिड-इंटरैक्टिव और ऑफ-ग्रिड दोनों के लिए ग्राउंड माउंटेड, रूफटॉप, फ्लोटिंग और कैनाल टॉप सोलर प्लांट में ईपीसी समाधान प्रदान करती है। इसके अलावा, बीएचईएल अंतरिक्ष अनुप्रयोगों के लिए स्पेस-ग्रेड सोलर पैनल एवं बैटरी भी बनाती है।

प्रतिबद्ध और समर्पित कोर इंजीनियरिंग टीम वाली बीएचईएल में उच्च गुणवत्ता युक्त सौर पीवी उत्पादों जैसे सौर सेल, सौर मॉड्यूल, सौर इनवर्टर, और ट्रांसफार्मर, आदि के पूरे स्पेक्ट्रम की घरेलू विनिर्माण क्षमता है। बीएचईएल भारत सरकार के आत्मनिर्भर भारत अभियान में निरंतर योगदान दे रही है। बीएचईएल की यह उपलब्धि फ्लोटिंग सोलर टेक्नोलॉजी में आत्मनिर्भरता की दिशा में एक बड़ा कदम है।